

ब्लैक नोज



- प्रथम बीमारी चेन्नई में आया है।
- लगभग 15 दिन बाद नाक के आसपास काले धब्बे हो गए।
- चिकनगुनिया के बाद होने वाली है हाइपरपिगमेंटेशन के रूप में पहचाना, जिसे 'ब्लैक नोज डिजीज' के रूप में माना जाता है।
- ब्लैक नोज डिजीज या चिक साइन की पहचान मैक्युलर (चपटा) धब्बेदार रंगत से होती है, जो मुख्य रूप से नाक को प्रभावित करती है, जैसा कि हैदराबाद की चिकित्सक डॉ. साई किरण चिलुकुरी ने बताया, यह नाक के पुल और किनारों तक भी फैल सकता है।



चिकनगुनिया के लक्षण

- मच्छरों के काटने
- अचानक तेज बुखार
- गंभीर जोड़ों का दर्द
- सिर दर्द
- चिकनगुनिया संक्रमण के प्रारंभिक चरण के बाद 6 महीने तक रह सकती है-डॉ. चिलुकुरी
- चिकनगुनिया वायरस द्वारा ट्रिगर की गई पोस्ट-इन्फ्लेमेटरी हाइपरपिगमेंटेशन का परिणाम मानी जाती है।
- हालांकि इसके सटीक कारण को अभी तक समझा नहीं गया है।



उपचार

- काले होने से बचने के लिए ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन का उपयोग करें।
- त्वचा को हाइड्रेटेड रखने के लिए मॉइश्चराइजर का उपयोग उपचार प्रक्रिया को तेज कर सकता है। कोजिक एसिड या हाइड्राक्विनोन वाले उत्पाद रंगत को कम करने में मदद कर सकते हैं।
- यह मेलेनिन उत्पादन को रोकते हैं, यह जानना आवश्यक है कि रंगत अस्थायी और हानिरहित है।

